केस स्टडी

विषय: विद्यालय के सम्पूर्ण अकादमिक व गैर अकादमिक संरचनाओं के कायाकल्प में विद्यालय प्रमुख की भूमिका

धनंजय कुमार (प्रधानाध्यापक)

राजकीय कृत मध्य विद्यालय,रतौली,बेगूसराय (बिहार)

सार कथन :-

सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के एक जीर्ण-शीर्ण व बदहाल राजकीय कृत प्रारंभिक विद्यालय का सम्पूर्ण रूप से कायाकल्प करने तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये विद्यालय प्रमुख के रूप में तक़रीबन 5 वर्षों के संघर्षपूर्ण यात्रा का परिणाम मेरे लिये काफी संतोषप्रद व सुकूनदायी रहा है...बेहद ही नकारात्मक माहौल व हतोत्साहपूर्ण वातावरण के बीच किये गये कठिन कार्य व इतने कम समय में विद्यालय में आमूलचूल परिवर्तन के लिये बेगूसराय जिले के अंदर हमारे विद्यालय की प्रतिष्ठा व इसकी ख्याति सबको चौकाती है।

- **विरासत में प्राप्त विद्यालय**

इस विद्यालय में प्रधानाध्यापक के तौर पर मेरी नियुक्ति 16 मई 2016 को हुई। विरासत में मुझे यह काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में प्राप्त हुआ। उस समय असमाजिक तत्वों के द्वारा रोज-बरोज विद्यालय के अंदर

तोड़-फोड़ की घटनाओं से लेकर विद्यालय के बरामदे एवं रसोईघर में पेशाव व मलत्याग करने की घटनाएँ,समाज के बुद्धिजीवियों का विद्यालय के प्रति उदासीन रवैया,अभिभावकों के मस्तिष्क में विद्यालय का मतलव महज अनुदान वितरण का केन्द्र होना,बिना गणवेश के बच्चों की न्यून व अनियमित उपस्थिति और इन सबों के बीच विद्यालय के शिक्षकों द्वारा सिर्फ नौकरी बजाने की दिनचर्या,ये सभी ऐसे कारक थे जब समझ में नहीं आ रहा था कि काम कहाँ से शुरू करूँ।

उस वक्त सच पूछा जाय तो मेरे लिये एक मात्र आशा की किरण और कुल जमा पूँजी विद्यालय आने वाले वे बच्चे ही थे जिनके सहारे विद्यालय को खड़ा करने की शुरूआत की जा सकती थी क्योंकि प्रारंभ में शिक्षकों को मोटिभेट करना पक्के घड़े पर मिट्टी चढ़ाने जैसा कार्य था। मेरे सामने उस वक्त कई अन्य चुनौतियां भी खड़ी थी। ग्रामीणों,बुद्धिजीवियों व अभिभावकों के विश्वास को जीतने के साथ समाजिक सरोकारों को रखने वाले लोगों की पहचान और उनका सहयोग प्राप्त करते हुए विद्यालय के जरूरी संसाधनों को जुटाना काफी मुश्किलों भरा काम था।

स्थापित वर्ष-1952
राजकीय कृत मध्य विद्यालय रतौली

- **बदलाव**

गाँव के सामाजिक सरोकारों से जुड़े कुछ लोगों से सम्पर्क स्थापित करने के क्रम में ही ग्रामीण नरेश बाबू और विद्यालय की वरीय शिक्षिका श्रीमती आशा कुमारी का साथ मिला। अपने स्थापना काल (1952 ई०) से विद्युतीकरण की बाट जोह रहे इस विद्यालय में विद्युतीकरण का कार्य प्रारम्भ हुआ। सभी वर्ग कक्षों में कुछ लोगों के सहयोग से बल्व व पंखे लगाये गये। और यहीं से विद्यालय विकास की गाथा प्रारंभ हुई। विद्यालय के "लोगो" का निर्माण अवसर,अभिक्षमता,विश्वास और सफलता के मूल मंत्र के साथ "मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा" के पंचलाईन का उद्घोष किया गया ।सम्पूर्ण विद्यालय परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिये किचेन के कनस्तर से डस्टबिन का निर्माण किया गया।

अच्छी पहल • पहली बार मध्य विद्यालय रतौली में लगा बच्चा दरबार, बच्ची ने लगाई गुहार तीन वर्षीय भाई को नहीं छोड़ सकती घर पर

सर, मां चौका-बर्तन करती है, हमें छोटे भाई को स्कूल लाने दें

सिटी रिपोर्टर। बेगूसराय

सर मेरे पिताजी का देहांत हो चुका है। मैं आपके विद्यालय में पांचवी की पढ़ाई करने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी, मेरी छोटी बहन भी एक साल से स्कूल नहीं आ रही थी...मेरा एक तीन वर्ष का भाई भी है, मेरी मां दूसरों के घर में सुबह से शाम तक काम कर हमलोगों की पाल रही है। विशेष नामांकन अभियान में हम बहनों का पुनः नामांकन हो जाने के बाद मेरे छोटे भाई को घर पर कोई देखने वाला नहीं है। अतः श्रीमान से अनुरोध है कि मेरे साथ मेरे छोटे भाई को भी विद्यालय आने की अनुमति देने की कृपा करें।

दरअसल मध्य विद्यालय रतौली में शुक्रवार को बच्चों की शैक्षणिक, सामाजिक व पारिवारिक समस्याओं, शिकायतों के सम्यक समाधान को लेकर विद्यालय के एचएम भनवर कुमार ने बच्चा दरबार लगाकर एक अनोखी पहल की। जिसमें छठी कक्षा में नामांकन लेने वाली एक छात्रा संजना कुमारी ने अपनी समस्या को रखा। इसी तरह एक अन्य छात्रा ने कहा कि सर मेरी मम्मी सुबह गाय का चारा लाकर कुट्टी काटती है और सानी लगाती है। जिसके कारण मुझे घर में सुबह का खाना बनाना पड़ता है। इसलिए मुझे रोज स्कूल आने में लेट हो जाती है, इसके लिए मेरी

एचएम को आवेदन देती छात्रा।

गलती को माफ करते हुए देर से भी स्कूल आने की अनुमति देने की कृपा करें।

मालूम हो कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए राह चलना मौका था, जब किसी सरकारी स्कूल में बच्चा दरबार लगाकर बच्चों के समस्याओं को सुना गया। शुक्रवार को रतौली मध्य विद्यालय में आयोजित इस बच्चा दरबार में स्कूल के सी ये अधिक बच्चों ने अपनी विभिन्न प्रकार की समस्या जिनके कारण उनकी पढ़ाई-लिखाई में बाधा उत्पन्न हो रही है, को रखा और शीघ्र निराकरण को लेकर एचएम को अपना आवेदन पत्र दिया। बच्चों के दिए गए आवेदन पर विद्यालय प्रधान ने आवेदन के विषय को रजिस्टर्ड करते हुए बारी-बारी से शैक्षणिक,सामाजिक व घरेलू समस्याओं के निदान की समय सीमा का निर्धारण किया।

मेरे पिताजी मुझे खेत में काम करने को कहते हैं सर आप मेरी मदद करें

बच्चा दरबार में सातवीं कक्षा के दो छात्र अंकितेश व तुसार ने कहा कि सर मैं पढ़ना चाहता हूं। लेकिन मेरे पिताजी मुझे खेत में काम करने को कहते हैं, निवेदन है कि मेरे माता पिता को समझाने की कृपा करें। साभवी ने बताया कि मम्मी-पापा के बीच अक्सर झगड़ा हो जाता, जिससे मुझे तनाव होता व पढ़ाई में बाधा पहुँचती है। अमरजीत ने आवेदन दिया कि सर बहुत ज्यादा घरेलू काम करने से पढ़ाई का समय नहीं मिलता। सातवीं की लक्ष्मी ने प्रत्येक दिन विद्यालय लेट से पहुँचने का कारण बताते हुए कहा घर पर छोटे भाई बहन की देखभाल करनी पड़ती है और सुबह में खाना भी बनाना पड़ता है। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष खुशबू कुमारी, सचिव पिंकी देवी, आशा कुमारी, नीलम कुमारी, राजीव रंजन, शंकर पंडित उपस्थित थे।

राजकीयकृत मध्य विद्यालय
रतौली, बेगूसराय

GOVT. MIDDLE SCHOOL

- **नाट्य कार्यशाला**

दूसरी ओर विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की वर्षो से मूक पड़ी अभिव्यक्ति को नया स्वर प्रदान करने के लिए भोपाल नाट्य विद्यालय से पास आउट युवा बालरंगकर्मी श्री ऋषिकेश के नेतृत्व में विद्यालय में नाट्य कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला के बाद बच्चे बर्हिमुखी हुए तथा विद्यालय में उनका मन लगने लगा।

- **विद्यालय निधि व सामुदायिक सहयोग**

विद्यालय निधि व सामुदायिक सहयोग स्थापित करते हुए मुख्य द्वार पर एक बड़ा सा गेट लगाया गया। बच्चों को रंगो की दुनिया काफी आकर्षित करती है; तो पूरे विद्यालय का रंग-रोगन स्थाई कलरफुल पलास्टिक पेंट से किया गया... कालक्रम में विद्यालय प्रमुख के रूप में हमारी व्यस्तता भी काफी बढ़ने लगी। विद्यालय को सामुदायिक सहयोग,कम्पनियों से सी॰एस॰आर॰ अनुदान के रूप में बैंच डेस्क,आलमारियाँ,शुद्ध पेय जल हेतु Aqua Guard, कार्यालयी कार्य हेतु कम्प्यूटर भी प्राप्त करने में सफलता मिली। इतना ही नहीं शिक्षकों व खुद के सहयोग से भी कई जरूरी संसाधनों को जुटाना शुरु

किया...बच्चों के लिये शुद्ध पेय जल की व्यवस्था के साथ-साथ स्कूल में समरसेवल, नलटंकी,हेंड वाश स्टेशन की स्थापना की गई है... छात्र व छात्राओं के लिये अलग-अलग शौचालयों एवं यूरेनल स्टेशन का निर्माण किया गया है।

- **लीडरशिप डेवलपमेंट**

बच्चों में सामुदायिक नेतृत्व,सहयोग की भावना व उनके व्यक्तित्व विकास को लक्षित पूरे विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उनके फ्लैग के साथ चार हाऊस नालंदा,विक्रमशिला,वैशाली व मगध हाऊस में बाँटते हुए उनके अंदर आत्म विश्वास को भरने का कार्य शुरु किया गया। ऐसा करते हुए हमने पाया कि विद्यालय में महज कम समय में ढ़ेर सारे लीडर पैदा हो चुके थे। इस कार्य से विद्यालय के बच्चों के बीच एक स्वस्थ्य प्रतिश्रपर्धा का जन्म हुआ एवं उनके सम्पूर्ण विकास को लक्षित कई तरह की कार्ययोजनाएँ भी बनाई गई। बच्चों के बीच इन्टर हाउस क्वीज प्रतियोगिता,वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा स्पोर्ट्स एवं गेम्स का आयोजन नियमित अंतराल पर होने लगे। खेल-कूद की व्यवस्था होने से बच्चे काफी उत्साहित हुए और पढ़ाई के साथ-साथ उनका मनोरंजन भी होने लगा।

- **नामांकन अभियान**

वर्ष 2018 का वह वक्त था जब विद्यालय में हो रहे बदलाव के साथ-साथ अभिभावकों में विद्यालय के प्रति विश्वास की पुर्नवापसी हो रही थी। छात्र-छात्राओं को लगातार मोटिवेट करने का परिणाम यह हुआ कि अब विद्यालय में तकरीवन 90: बच्चे साफ-सुथरे विद्यालय परिधान में पहुँचने लगे थे। मेरे लिये यह

किसी आश्चर्य से कम नहीं था कि इस दौरान किसी भी अभिभावक ने मुझसे पोशाक और छात्रवृति की राशि की माँग करने विद्यालय नहीं पहुँचे...लगभग सभी यही कहने आये कि " तनि हमरा बच्चा पर ध्यान दथिन...प्राइवेट स्कूल से नाम कटाईके अपने यहाँ लिखवैलियन हन ".....

यह वह वक्त था जब विद्यालय पोषक क्षेत्र सहित पोषक क्षेत्र के बाहर के भी तीन गाँव के अभिभावकों ने एक शैक्षणिक वर्ष में रिकॉर्ड 179 बच्चों का नामांकन इस विद्यालय में उनकी ऊँगलियाँ पकड़कर कराया।

- **अभिनव चेतना सत्र** विद्यालय में इतने सारे बदलाव के बाद (अप्रील 2018) से विद्यालय में भव्य और अभिनव चेतना सत्र का संचालन प्रारंभ हो चुका था। अलग-अलग हाउस के हाउस लीडर(जिसमें लड़कियों की सक्रियता अधिक थी) या उन हाउसों के अन्य बच्चे अलग-अलग दिनों में आज का सुविचार,समाचारवाचन,प्रेरणागाथा,प्रेरणागीत,रोचकतथ्य,विज्ञान क्यों और

कैसे,दिवसज्ञान,संविधान की प्रस्तावना आदि के साथ चेतना सत्र को जीवंत बनाने लगे थे। चेतना सत्र के बेहतर संचालन से बच्चों का जहाँ एक तरफ आत्मविश्वास बढ़ा वहीं दूसरी ओर उनके अंदर जबरदस्त रूप से नेतृत्व क्षमता व सहयोग की भावना का विकास हुआ।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की मनाई जयंती

जागरण संवाददाता, बेगूसराय : हिन्दी साहित्य को सरस्वती वंदना, राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता, सरोज स्मृति और वह तोड़ती पत्थर जैसी कालजयी काव्य रचनाओं से समृद्ध करने वाले यथार्थवादी कवि व छंदमुक्त कविता के प्रमुख स्तम्भ महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंति गुरुवार को राजकीयकृत मध्य विद्यालय रतौली में विद्यालय व जनवादी लेखक संघ जिला ईकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

इसके साथ ही विद्यालय के बाल साहित्यकार संपादक मंडल द्वारा मासिक दीवार पत्रिका इन्द्रधनुष 5वें अंक को उन्हें समर्पित किया गया। बच्चों के द्वारा निराला की काव्य रचना 'वह तोड़ती पत्थर', कुकुरमुत्ता,जीवन निर्झर बह गया है, बांधो ना नाव इस ठाम बंधु, मैं अकेला, अभी न होगा मेरा अंत, वर दे वीणा वादिनी, राम की शक्ति पूजा का चित्रांकन जिस कल्पना शक्तित के साथ किया, वह मध्य विद्यालय स्तर के बच्चों के लिये अद्भुत था। बच्चों ने वसंत, प्रकृति, विद्यालय, आतंकवाद आदि को अपनी स्वरचित कविता का विषय बनाते हुए जिस प्रकार अपने काव्यों की प्रस्तुति दी उसने सभी का मन मोह लिया। प्रधानाध्यापक धनंजय कुमार ने कहा कि विद्यालय में साहित्यिक गतिविधि के आयोजनों से बच्चों में हिन्दी भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न होने के साथ-साथ उनके अंदर बौद्धिक चेतना व मानवीय संस्कार विकसित होंगे। बाल कवियों व साहित्यकारों में उज्ज्वल, निर्मल, धुंधरू, रोशनी, शिवानी, सन्नी, कोमल, सीता रविना, पूनम, अर्चना, मुस्कान, जॉनसन प्रिया, नीलाम्बर आदि ने अपनी कविताओं से प्रभावित किया। सर्वप्रथम वरिष्ठ आलोचक डॉ. भगवान प्रसाद सिन्हा, जीडी कॉलेज हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र साह, कवि दीनानाथ सुमित्र सहित अन्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती पर आयोजित समारोह में काव्य पाठ करती बच्चियां

- **मासिक बाल दीवार पत्रिका "इंद्रधनुष" का प्रकाशन एक मील का पत्थर (8)**

विद्यालय में बच्चों की नियमित एवं बेहतर उपस्थिति होने के बाद उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धताएँ बढ़ चुकी थी...रोज कुछ नया सोचने व नया करने की दिशा में कार्य करने स्वप्रेरणा भी जगने लगी... बच्चों की कल्पनाशील शक्तियों को पंख लगाने तथा उनके सीखने की क्षमता में अभिवृद्धि को लेकर वर्ष 2019 में गर्मी की छुट्टियों के दौरान बेगूसराय जिले के युवा शिक्षक साहित्यकार कवियित्री श्रीमती सीमा संगसार

के अतिथि संपादन में बाल सृजन के विविध रंगों से भरी बाल दीवार पत्रिका "इंद्रधनुष" के निर्माण और प्रकाशन की कार्यशाला विद्यालय में आयोजित की गई। 15 दिवसीय यह कार्यशाला विद्यालय के लिये मील का पत्थर सावित हुआ। कहते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि विद्यालय के बच्चे अपने बाल संपादक मंडल के नेतृत्व में सम्पादकीय के साथ बाल पत्रिका के विभिन्न स्तम्भों यथा बाल कूँची (चित्रांकन),बालमन(कविता),कहानी संग्रह, चुटकुले, पहेलियाँ, साक्षात्कार, प्रेरकप्रसंग,महापुरुषों की जीवनी, ज्ञान-विज्ञान की बातें आदि से संबंधित स्वरचनाओं के साथ अपने रंग-बिरंगे हैंड मेड इंद्रधनुष का प्रकाशन करते हैं..नबंवर 2022 तक बच्चों ने इंद्रधनुष के 22 वें अंक का प्रकाशन सफलता पूर्वक कर चुके हैं।

- **लीडरशिप की भूमिका में विद्यालय**

  मध्य विद्यालय रतौली में तीव्र गति से संचालित विविध विकास कार्यक्रमों,और बच्चों के सम्पूर्ण अकादमिक व सह अकादमिक उन्नति के लिये अनेकानेक अभिनव सफल प्रयोगों की खबरों पर संज्ञान लेते हुए शिक्षा विभाग बेगूसराय ने बेगूसराय प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के तकरीवन 30 विद्यालय प्रमुखों को इस विद्यालय के नेतृत्व व प्रबंधन को जानने,समझने और अपने अपने विद्यालयों में लागू करने के उद्देश्य से वर्ष 2019 के अंत में इस इस विद्यालय में एक दिवसीय

उन्मुखीकरण कार्यशाला में प्रतिनियुक्त किया गया.... निश्चित रूप से इस घटना से विद्यालय के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को गौरवान्वित होने का एक अवसर दिया और वे पहले से अधिक मोटिवेट होने लगे।

- **स्वर्णिम पुस्तकालय व मल्टीमीडिया क्लास रूम की स्थापना**

इसी वर्ष समाजिक अनुदान व खुद के सहयोग से विद्यालय के एक बड़े कमरे में करीब 2 लाख 25 हजार की लागत से एक भव्य स्वर्णिम पुस्तकालय के साथ मल्टीमीडिया क्लास रूम की स्थापना भी हुई। मैंने अपने वेतन से बैंक लोन लेकर 67 हजार की लागत से 50 ईंच का एक स्मार्ट टी.बी. खरीदा। आज बच्चे पुस्तकालय में उपलब्ध तकरीबन 1500 से अधिक पुस्तकों में से अपनी मनपसंद पुस्तक चयनित कर पढ़ते हैं साथ ही साथ प्रत्येक कक्षा के बच्चे इस स्मार्ट टी.भी. पर ऑफ लाईन एवं ऑन लाईन शैक्षिक विडियो,बाल व कार्टुन फिल्में,विज्ञान के प्रयोग एवं अन्य प्रसारित कार्य क्रमों को आनंद के साथ देखते व सीखते हैं।

- **दीक्षांत समारोह**

विगत 5 वर्षों से हमारे विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने वाले कक्षा अष्टम उत्तीर्ण बच्चों के लिये विश्वविद्यालय के तर्ज पर समारोह पूर्वक दीक्षांत उत्सव का आयोजन किया जाता है...इस आयोजन में बच्चों को कक्षा उत्तीर्णता प्रमाण पत्र के साथ उन्हें आगे के विद्यार्थी जीवन में अनुशासन सादगी सदाचार व संयम को अपनाने के साथ पर्यावरण जीव-जन्तुओं व जरुरत मंदों के प्रति प्रेम,सहयोग व दया का भाव रखने से संबंधित शपथ दिलायी जाती है।

- **विद्यालय स्तर पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन**

विद्यालय में बच्चों की कल्पना शील शक्तियों के विकास एवं उनकी कलात्मक अभिरूची व उनकी सांस्कृतिक चेतना के विकास के लिये समय-समय पर प्रस्तुतिपरक कार्यशालाओं का आयोजन होता है जिसमें नाट्य ,संगीत,आर्ट एण्ड क्राफ्ट,मधुवनी पेंटिगमुर्त्तिकला,दीवार पत्रिका निर्माण,रंग-उमंग व लंगोटिया एक्सप्रेस प्रमुख हैं।

रंग-उमंग

2022

- **कक्षा में जीवंत प्रयोगों के साथ विज्ञान शिक्षण**

संसाधनों के अभावों से जूझते हुए भी हमारे विद्यालय के शिक्षक अपनी कक्षाओं में छात्रों को विज्ञान का पाठ ज्यादातर विज्ञान के जीवंत प्रयोगों एवं अधिक प्रमाणिकता के साथ पढ़ाने की कोशिश करते हैं ताकि बच्चे विज्ञान विषय को विशेष अभिरुची के साथ पढ सकें।

- **बच्चा दरबार का आयोजन एक सफल प्रयोग**

वर्ष 2017 से ही इस विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के विविध घरेलू, सामाजिक व उनकी शैक्षणिक समस्याओं व शिकायतों को जानने समझने व उसके सम्यक निदान को लेकर शासन और प्रशासन द्वारा आयोजित किये जाने वाले जनता दरबार" नियमितअंतराल पर लगाया जाता रहा है...बच्चा दरबार में बच्चों की विविध समस्याओं व शिकायतों के निदान उनके अभिभावकों ए शिक्षकों व विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों के समक्ष करने की कोशिश की जाती....विद्यालय में जनता दरबार के आयोजन का परिणाम बेहद शानदार रहा है...इसी बहाने हमें बच्चों की विभिन्न ऐसी समस्याओं को समझने व जानने का अवसर मिलता है जो उनके शैक्षिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हों ...तद्नुसार हम सभी मिलकर समाधान की दिशा में प्रयास करते हैं।

विद्यालय प्रमुख के रूप में 5 वर्षों के कार्यकाल में प्राप्त उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

यह कहते हुए काफी हर्ष की अनुभूति हो रही है और संतोष प्रात होता है कि 2016-17 के दौरान राजकीय मध्यविद्यालय रतौली जो बेगूसराय जनपद के सर्वाधिक निकृष्ट विद्यालयों में से एक में गिना जाता था आज इस विद्यालय को लोग बेगूसराय जिले के सर्वश्रेष्ठ व उत्कृष्ट 1 से 10 रेंकिंग वाले विद्यालयों की श्रेणी में गिनते हैं...विगत 5 वर्षों में इस विद्यालय व यहाँ के छात्र/छात्राओं ने स्वच्छता,खेलकूद,विज्ञान व कला के क्षेत्र में जिला व राज्य स्तर पर कई नायाब उपलब्धियों को हासिल किया है...2020 में जिलाधिकारी बेगूसराय द्वारा इस विद्यालय को जिले के कुल 7 उत्कृष्ट विद्यालयों में शामिल करते हुए इसे उत्कृष्टता प्रमाणपत्र से नवाजा

गया। 2021 में जिला प्रशासन बेगूसराय द्वारा इस विद्यालय को 4 अन्य विद्यालयों के साथ व फाईवस्टार रेटिंग के देते हुए स्वच्छ विद्यालय का ऑवर ऑल NJखिताबमिला। 2022 के सफर में गुणवत्ता शिक्षा को एक मिशन के साथ विद्यालय में रुपांतरित किया गया...2023 का यह वक्त मानो यह कहते हुए गुजर रहा है कि अभी तो बस शुरूआत है...मीलों चलना बाकि है...मुझे अच्छा लगता है जब देखता हूँ बच्चों की आँखो में तैरते हुए सपने ...मुझे अच्छा लगता है जब देखता हूँ उनके चेहरों पर बिखरती हैं मुस्कुराहटें....कोशिश भी बस यही करता हूँ क्यों कि मैं शिक्षक हूँ।

प्रेरक

बेगूसराय जिले के मध्य विद्यालय रतौली को निजी स्कूल की तर्ज पर कर दिया विकसित

धनंजय ने उजड़े चमन में फूंक दी नई जान

मो. खालिद • बेगूसराय

कभी स्कूल कैंपस में बंधती थी गायें और शौच के लिए आते थे ग्रामीण, अब सजा विद्या का मंदिर

अकेला ही चला था जानिब-ए-मंजिल मगर, लोग आते गए और कारवां बनता गया, किसी शायर का यह शेर शिक्षक धनंजय झा पर पूरी तरह फिट बैठता है। धनंजय सदर प्रखंड के मध्य विद्यालय, रतौली के प्रधानाध्यापक हैं। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने विद्यालय को वह मुकाम दिला दिया है कि आज अभिभावक निजी स्कूलों से अपने बच्चों का नाम कटवाकर उसे लेकर सरकारी स्कूल में दाखिला कराने पहुंच रहे हैं। विद्यालय परिसर का माहौल इतना खुशगवार है कि बच्चे बिना किसी दबाव के विद्यालय की ओर खींचे चले आते हैं। रोज बच्चों के बीच पठन-पाठन के अलावा अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों सिलसिला भी चलता रहता है।

सदर प्रखंड के अमरौर किरतपुर गांव निवासी हाईस्कूल के रिटायर्ड शिक्षक जयजयराम झा की छह संतानों में सबसे छोटे धनंजय हैं। इनकी पहली पोस्टिंग गोपालगंज के मध्य विद्यालय नरवार बैकुंठपुर में हुई थी। वहां से स्थानांतरित होकर बरौनी प्रखंड के मध्य विद्यालय महना में आए, प्रमोशन के बाद पहले उत्क्रमित मध्य विद्यालय चक्कानया भगवानपुर फिर मध्य विद्यालय, रतौली

बाल्या दरबार में एचएम धनंजय झा को आवेदन सौंपती एक छात्रा • जागरण

धनंजय झा, प्रधानाध्यापक • जागरण

में एचएम बनाए गए। सदर प्रखंड से करीब दस किलोमीटर की दूरी पर मध्य विद्यालय रतौली है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण वहां के स्कूल भी अन्य जगहों की तरह ही अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे थे। तभी वर्ष पहले 2016 में धनंजय झा ने वहां की बागडोर संभाली। सर्वप्रथम तो उन्होंने स्कूल कैंपस को सुरक्षित बनाया, फिर रंग-बिरंगे रंगों से विद्यालय को सजाया। ग्रामीणों का सहयोग लेकर समरसेबुल और पानी की टैंक की स्थापना की। फिर ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय में मल्टीमीडिया क्लास रूम की स्थापना करवाई। तत्पश्चात विद्यालय के बच्चों के लिए आधुनिक लाइब्रेरी स्थापित की। क्षेत्र में सघन अभियान के माध्यम से बच्चों की दो सौ की उपस्थिति को पांच सौ तक ले गए।

धनंजय बताते हैं कि इन वर्षों में विभिन्न निजी व अन्य स्कूलों को छोड़कर 179 बच्चों ने विद्यालय में दाखिला लिया है। बच्चों के लिए अधिकारियों के जनता दरबार की तर्ज पर बच्चा दरबार संचालित किया गया। बच्चों के संपादक मंडली द्वारा तैयार दीवार पुस्तक निकलवानी शुरू की। बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में बच्चों के सामूहिक जन्मदिन मनाने की शुरुआत की। एचएम अपने वेतन से विद्यालय के जरूरतमंद हर बच्चे को पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाते हैं। उनके इस कार्य को देखते हुए गांव के लोग भी उनके साथ जुड़ते गए। तत्कालीन जिलाधिकारी राहुल कुमार द्वारा उनके विद्यालय की तस्वीरों को अपने ट्वीटर हैंडल से भी ट्वीट किया जाता रहा है। पिछले माह ही जिलाधिकारी द्वारा उनके स्कूल को उत्कृष्ट विद्यालय के पुरस्कार से नवाजा गया था। इसके अलावा भी उन्हें कई अन्य सम्मान मिले हैं।

कार्यालय-जिला शिक्षा पदाधिकारी, बेगूसराय

प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि (विद्यालय का नाम) .... मध्य विद्यालय

.... रतौली .... प्रखण्ड .... बेगूसराय

ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है । इस कार्य के लिए शिक्षा विभाग, बेगूसराय के द्वारा समस्त विद्यालय परिवार को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाता है ।

शिक्षा विभाग समस्त शिक्षकों एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है ।

20.7.19
श्री देवेन्द्र कुमार झा
जिला शिक्षा पदाधिकारी
बेगूसराय

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

श्री राहुल कुमार (भा.प्र.से.)
जिला पदाधिकारी
बेगूसराय

शिक्षा परियोजना, बेगूसराय
स्वच्छ विद्यालय पुरस्क
2021-22
स्तरीय पुरस्कार
समारोह
दिनांक : 30
: कारगिल विजय

बिहार शिक्षा परियोजना, बेगूसराय
2021-22
समारोह
दिनांक : 30
: कारगिल विजय

M.S.RATAULI

GOVT. M.S. RATAULI

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy A51